केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
(पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय)
शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058

Central Sanskrit University
Established by an Act of Parliament
(Formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan, Deemed to be University)
Under Ministry of Education, Govt. of India
56-57, Institutional Area, Janakpuri, New Delhi - 110058

8-5/CSU/Acd./Syllabus/2022/174 दिनांक- 07/06/2022

सूचनापत्र

विषय:- **प्राक्शास्त्री प्रस्तावित पाठ्यक्रम के संबंध में।**

प्राक्शास्त्री प्रस्तावित पाठ्यक्रम को संस्थान की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in पर अपलोड किया गया है। अतः सभी परिसरों / महाविद्यालयों / विद्वानों / संकाय अध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों से अपेक्षा है कि उल्लिखित पाठ्यक्रम पर यदि कोई सुझाव/परामर्श हो तो शैक्षणिक विभाग की ई-मेल ID:- academic@csu.co.in पर एक सप्ताह के अन्दर प्रेषित करने का निवेदन है।

07/06/22
(डा. देवानन्द शुक्ल)
उप-निदेशक(शैक्षणिक)

प्रतिलिपि:

1. कुलपति कार्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
2. कुलसचिव कार्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
3. समस्त परिसर/महाविद्यालय
4. परियोजना अधिकारी, Web पर upload करने हेतु
5. सम्बद्ध संचिका

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

प्राक्शास्त्री-पाठ्यक्रम

- **प्रस्तावना** - भारतीय शास्त्रों की पारम्परिक ज्ञानधाराओं में सार्थक एवं सफलतम जीवन जीने के अनेकानेक सूत्र विद्यमान हैं । वैदिक काल से लेकर आज तक भारतीय ज्ञान परम्परा के महनीय आचार्यों की निरन्तर ज्ञानसाधना के फलस्वरूप ज्ञान- विज्ञान एवं अध्यात्म के क्षेत्र में भारतीय शास्त्रों ने समूचे विश्व को अनेक महत्त्वपूर्ण सिद्धान्त दिये हैं । भारतवर्ष की ज्ञान-परम्परा में लौकिक और अलौकिक पुरुषार्थों का मञ्जुल समन्वय दृष्टिगोचर होता है । धर्म और मोक्ष जैसे अलौकिक पुरुषार्थों के साथ ही अर्थ और काम जैसे लौकिक पुरुषार्थों पर भी भारतीय मेधा ने समान रूप से चिन्तन किया है ।

  प्राचीन काल से ही मानव के सर्वाङ्गीण अभ्युदय में विविध शास्त्रों की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण रही है । भारत की **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** में वर्णित **समग्र और बहुविषयक शिक्षा** के विचार को धरातल पर लाने के लिए विश्वविद्यालयों से इस प्रकार के पाठ्यक्रमों की संरचना की अपेक्षा की गयी है, जिनमें आधुनिक विषयों के साथ पारम्परिक अनुशासनों के महत्त्वपूर्ण विषयों का सुरुचिपूर्ण समाहार हो जिनके अध्ययन से आदर्श मानव का निर्माण किया जा सकें । वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में **प्राक्शास्त्री** का यह पाठ्यक्रम इन अपेक्षाओं की पूर्ति करता है क्योंकि भारतीय शास्त्र-परम्परा में अभिव्यक्त सिद्धान्त सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक है ।

- **कार्यक्रम का शीर्षक**

  - यह कार्यक्रम **प्राक्शास्त्री** इस नाम से जाना जायेगा ।

कार्यक्रम का ध्येय/ लक्ष्य

- भारतीय ज्ञानपरम्परा की मूलभूत स्रोत संस्कृत भाषा के आधारभूत ज्ञान के साथ विविध शास्त्रो में अभिव्यक्त श्रेष्ठ सार्वभौमिक विचारों के शिक्षण द्वारा श्रेष्ठ मानव के रूप मे प्रशिक्षित प्राग् स्नातक का निर्माण करना ।

उद्देश्य

कार्यक्रम के उद्देश्य –

- संस्कृत भाषा में सहजता, सरलता एवं शुद्धता के साथ दक्षता प्राप्त करना।
- संस्कृतभाषा के मूल स्वरूप का परिचय प्रदान करना तथा इस भाषा में निहित ज्ञान-विज्ञान के विविध सम्प्रदायों का सरल रीति से प्राथमिक व्यावहारिक बोध प्रदान करना ।
- सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण भारतीय शास्त्रों की विविध परम्पराओं का परिचय प्राप्त करना।
- संस्कृत भाषा के साथ साथ हिन्दी/ प्रादेशिकभाषा एवं अंग्रेजी भाषा में भी प्रायोगिक दक्षता प्राप्त करना ।
- विविध पारम्परिक तथा आधुनिक शास्त्रों में स्नातक कक्षाओं में प्रवेश एवं अध्ययन की योग्यता रखने वाले तेजस्वी छात्रों का निर्माण करना ।

सत्रार्द्ध के उद्देश्य – यह कार्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त है । प्रत्येक सत्रार्द्ध के उद्देश्य निम्नानुसार हैं -

प्रथम सत्रार्द्ध -

द्वितीय सत्रार्द्ध -

तृतीय सत्रार्द्ध -

चतुर्थ सत्रार्द्ध -

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

- **फलितांश**

    कार्यक्रम के फलितांश –

    सत्रार्द्ध के फलितांश

    पाठ्यक्रम के फलितांश

- **पाठ्यक्रम की अवधि –** इस पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष है ।

- **अर्हता –** किसी मान्यता प्राप्त (राज्य या CBSE) बोर्ड से 10वीं या समकक्ष कक्षा (पूर्वमध्यमा आदि) उत्तीर्ण व्यक्ति इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अर्ह होंगे ।

- **सत्रार्द्धशः पाठ्यक्रम का विवरण**

Course	Course Title	Marks	No. of Credits	Hours
	प्रथम सत्रार्द्ध			
Course -1	**संस्कृतभाषाप्रवेशः – I (वाक्यव्यवहारः)**	100	04	60
Course -II	**हिन्दी/ प्रादेशिकभाषा**	100	04	60
Course -III	**उच्चारणकौशलम् -** 1) अमरकोषः (स्वर्गवर्गः) 2) श्रीमद्भगवद्गीता - भक्तियोगः 3) सुभाषितानि 4) घ. शब्दरूपाणि धातुरूपाणि च।	100	04	60
Course -IV	**योगः (प्रायोगिकम्)**	100	04	60
Course -V	**प्रायोगिकसंगणकम्**	100	04	60

	द्वितीय सत्रार्द्ध			
Course - 1	**संस्कृतभाषाप्रवेशः – II** **(व्यवहारप्रदीपः – १ भागः), कारकम्**	100	04	60
Course - II	**हिन्दी/ प्रादेशिकभाषा** **As per the existing Syllabus)**	100	04	60
Course - III	**English Language - English Reader: Facilitating Communication: The Way** (Book 1)	100	04	60
Course - IV	**संस्कृतभाषाप्रवेशः – III - व्यवहारप्रदीपः – २ भागः, सन्धिः**	100	04	60
Course - V	**Modern Subjects – Optional** **Economics/ History/ Political Science/ Sociology/Biology/ Mathematics/ Geography** (As per the existing Syllabus)	100	04	60
First Year Total		**1000**	40	600

	तृतीय सत्रार्द्ध			
Course -1	**संस्कृतवाङ्मयपरिचयः** **वैदिकवाङ्मयम्** **लौकिकवाङ्मयम्**	100	04	60
Course -II	सङ्क्षेपरामायणम्, **समासः**	100	04	60
Course - III	**English Language** **English Reader: Facilitating Communication: The Way** (Book 2)	100	04	60
Course - IV	१. **भारतीयस्वास्थ्यपद्धतिः (आयुर्वेदः)** २. **भारतीयगणितपरिचयः**	100	04	60

Course -V	**आधुनिक विषय – (वैकल्पिक)** **अर्थशास्त्र / इतिहास/ राजनीति विज्ञान/ समाजशास्त्र/जीवविज्ञान/ भौतिक शास्त्र/ रसायन शास्त्र/ गणित/ भूगोल**	100	04	60
	चतुर्थ सत्रार्द्ध			
Course -1	**शास्त्रपरिचयः – १ दर्शनम्** **(न्याय-वैशेषिक-साङ्ख्य-योग-मीमांसा-वेदान्त-चार्वाक-बौद्ध-जैन-दर्शनानि)**	100	04	60
Course -II	**शास्त्रपरिचयः – २** **१. व्याकरणम्** **२. साहित्यम्**	100	04	60
Course - III	**शास्त्रपरिचयः – ३ तर्कसोपानम्**	100	04	60
Course - IV	**शास्त्रपरिचयः – ४** • **धर्मशास्त्रम्** • **पुराणेतिहासः** • **वास्तुशास्त्रम्** • **ज्यौतिषम्**	100	04	60
Course -V	**परियोजनाकार्यं प्रशिक्षुता च –** **रूपकम्, अनुवादः, योगः, सङ्गणकविज्ञानम्**	100	04	60
Second Year Total		1000	40	600
Grand Total		**2000**	**80**	**1200**

➢ क्रेडिटशः समयविभाजन के साथ पाठ्यक्रम का विवरण (सन्दर्भ ग्रन्थ सहित)

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष प्रथम सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०१ - संस्कृतभाषाप्रवेशः अध्ययनांक - ४

(Course – 01 - संस्कृतभाषाप्रवेशः Total Credits – 04)

		संस्कृतभाषाप्रवेशः - १ क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**प्रथमः स्तबकः**	१. **परिचयः –** संस्कृतेन आत्मपरिचयः **२. एषः/सः,** **एषा/सा,** **एतत्/तत्**
		३. कः/का/किम् – एषः/ सः/ कः, एषा/ सा/ का, एतत्/ तत्/ किम्?
		४. वचनम्: - एकवचनम्, द्विवचनम्, बहुवचनम् – यथा गजः गजौ, गजाः । सर्वनामशब्दानां वचनाभ्यासः
		५. क्रियापदानां एकवचन-द्विवचन-बहुवचनरूपाणि –
		(वर्तमानकाले, त्रिषु पुरुषेषु, त्रिषु वचनेषु च ।)
		संस्कृतभाषाप्रवेशः - २ क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**द्वितीयः स्तबकः**	१. **द्वितीया –** वर्तमानकाले, त्रिषु पुरुषेषु, त्रिषु वचनेषु अकारान्तपुंल्लिङ्गशब्दानाम्, आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानाम्, ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानाम्, अकारान्तनपुंसकलिङ्गशब्दानाम् सर्वनामशब्दानां च द्वितीयाप्रयोगाः ।

		२. वर्तमानकाले विशेषक्रियापदानि – जानाति, करोति, क्रीणाति, शक्नोति, शृणोति, गृह्णाति, ददाति, पाठयति इत्यादीनि ण्यन्तक्रियापदानि च ।
		३. लोट्लकारः – आज्ञा-प्रार्थनादिषु अर्थेषु लोट् लोट्-मध्यमपुरुषे प्रयोगाः, त्रिषु वचनेषु त्रिषु पुरुषेषु लोट्,
		४. सम्बोधनम् – सम्बोधनप्रथमा त्रिषु वचनेषु
		५. अद्य, ह्यः, परह्यः, प्रपरह्यः, श्वः, परश्वः,प्रपरश्वः ।

संस्कृतभाषाप्रवेशः - ३		
		क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**तृतीयचतुर्थ स्तबकौ**	१. **भूतकालः (लङ्) –** आसीत् अभवम् आसीत् – आस्ताम् - आसन् आसीः – आस्तम् – आस्त आसम् – आस्व – आस्म भूतकाले विविधक्रियापदानि
		२. क्तवतुप्रयोगाः – पुंल्लिङ्गे, स्त्रीलिङ्गे, नपुसंकलिंगे च ।
		३. भविष्यकालः – लृट्, कालपरिवर्तनाभ्यासः
		४. क्त्वा, ल्यप् – क्त्वाप्रयोगाः, ल्यप्-प्रयोगाः ।
		५. तुमुन्-प्रयोगः

<table>
<tr><td></td><td></td><td>६. तृतीया
सह, विना</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>७. चतुर्थी – दानार्थे, रोचतेः प्रयोगे, तादर्थ्ये, क्रुध्-द्रुह्-असूया-ईर्ष्या-प्रयोगे ।</td></tr>
<tr><td colspan="3">संस्कृतभाषाप्रवेशः - ४
क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)</td></tr>
<tr><td>१</td><td rowspan="4">पञ्चमः स्तबकः</td><td>१. पञ्चमी – वर्तमानकाले, त्रिषु पुरुषेषु, त्रिषु वचनेषु अकारान्तपुंल्लिङ्गशब्दानाम्, आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानाम्, ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दानाम्, अकारान्तनपुंसकलिङ्गशब्दानाम् सर्वनामशब्दानां च पञ्चमीप्रयोगाः ।
२. तः – ग्रामतः, मन्दिरतः इत्यादीनि</td></tr>
<tr><td></td><td>३. षष्ठी – सम्बन्धे</td></tr>
<tr><td></td><td>४. षष्ठीप्रयोगाः</td></tr>
<tr><td></td><td>५. सप्तमी</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>६. सप्तमीप्रयोगाः</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>७. संख्या – एकतः विंशतिपर्यन्तम् (१-२०)</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>८. संख्येयवाचकेषु लिङ्गभेदः ।</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>९. समयः</td></tr>
</table>

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष प्रथम सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०३ - उच्चारणकौशलम् अध्ययनांक - ४

(Course – 03 - उच्चारणकौशलम् Total Credits – 04)

उच्चारणकौशलम् - १		
		क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**अमरकोशः**	**स्वर्गवर्गः**
उच्चारणकौशलम् - २		
		क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**श्रीमद्भगवद्गीता -**	**भक्तियोगः**
उच्चारणकौशलम् - ३		
		क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**सुभाषितानि**	**स्वर्गवर्गः**
उच्चारणकौशलम् - ४		
		क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
१	**शब्दरूपाणि धातुरूपाणि च।**	**शब्दरूपाणि –** **राम, हरि, गुरु, पितृ, गो, राजन्** **रमा, नदी, मति, धेनु, श्री, मातृ,** **फल, वारि, दधि, मधु, जगत्** **अस्मद्, युष्मद्, अदस्, तद्, एतत्, भवत्, सर्व** **धातुरूपाणि – भू, अद्, हु, तनु, षुञ्, तुद्, रुध्, दिव्, क्री, चुर् – दशसु लकारेषु**

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष द्वितीय सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०१ - संस्कृतभाषाप्रवेशः-II अध्ययनांक - ४

(Course – 01 - उच्चारणकौशलम् Total Credits – 04)

संस्कृतभाषाप्रवेशः-II क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
१.	**व्यवहारप्रदीपः** (प्रथमः भागः)	**प्रथमा विभक्तिः** १. अजन्तपुंल्लिङ्गाः शब्दाः २. अजन्तस्त्रीलिङ्गाः शब्दाः ३. अजन्तनपुंसकलिङ्गाः शब्दाः ४. हलन्तपुंल्लिङ्गाः शब्दाः ५. हलन्तस्त्रीलिङ्गाः शब्दाः ६. हलन्तनपुंसकलिङ्गाः शब्दाः
संस्कृतभाषाप्रवेशः-II क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
२.	**व्यवहारप्रदीपः** (प्रथमः भागः)	१. द्वितीया विभक्तिः २. तृतीया विभक्तिः ३. चतर्थी विभक्तिः ४. पञ्चमी विभक्तिः ५. षष्ठी विभक्तिः ६. सप्तमी विभक्तिः ७. सम्बोधन-प्रथमा

संस्कृतभाषाप्रवेशः-II क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
३.	**व्यवहारप्रदीपः** (प्रथमः भागः)	१. सर्वनामशब्दाः २. अव्ययानि ३. सप्त विभक्तयः
कारकम् क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
४.	**कारकम्**	१. वाक्यम् २. कारकम् ३. धात्वर्थः ४. तिङर्थः ५. कारकाणि • कर्ता • कर्म • करणम् • सम्प्रदानम् • अपादानम् • अधिकरणम् ६. विभक्तयः

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष द्वितीय सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०४ - संस्कृतभाषाप्रवेशः-II अध्ययनांक - ४

(Course – 04 - उच्चारणकौशलम् Total Credits – 04)

संस्कृतभाषाप्रवेशः-II क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
१.	**व्यवहारप्रदीपः** (द्वितीयः भागः)	**आत्मनेपदिनः धातवः** १. आत्मनेपदिनां धातूनां लट्-लकारे प्रयोगाः २. आत्मनेपदिनां धातूनां लोट्-लकारे प्रयोगाः ३. आत्मनेपदिनां धातूनां लृट्-लकारे प्रयोगाः ४. आत्मनेपदिनां धातूनां लङ्-लकारे प्रयोगाः ५. आत्मनेपदिनां धातूनां लट्-लोट्-लृट्-लङ्-लकारेषु प्रयोगाः ६. उपसर्ग-प्रयोगाः ७. कर्मणि-प्रयोगाः – • कर्मणि वर्तमाने लट् • कर्मणि भूते लङ् • कर्मणि लोट्

संस्कृतभाषाप्रवेशः-II क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
२.	**व्यवहारप्रदीपः** (द्वितीयः भागः)	१. विशेष्य-विशेषण-भावः २. चित्-चन-प्रयोगाः ३. सङ्ख्याः ४. पूरणप्रत्ययान्तानि पदानि
संस्कृतभाषाप्रवेशः-II क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
३.	**व्यवहारप्रदीपः** (द्वितीयः भागः)	शतृ-प्रत्ययः १. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां प्रथमा-प्रयोगाः २. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां द्वितीया-प्रयोगाः ३. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां तृतीया-प्रयोगाः ४. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां चतुर्थी-प्रयोगाः ५. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां पञ्चमी-प्रयोगाः ६. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां षष्ठी-प्रयोगाः ७. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां सप्तमी-प्रयोगाः ८. शतृप्रत्ययान्तरूपाणां सर्वासु विभक्तिषु-प्रयोगाः

सन्धिः क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
४.	**सन्धिः**	१. अक्षरप्रकरणम् २. सन्धिप्रकरणम् ३. स्वरसन्धिः ४. व्यञ्जनसन्धिः ५. विसर्गसन्धिः

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष तृतीय सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०१ - संस्कृतवाङ्गयपरिचयः अध्ययनांक - ४

(Course – 01 - संस्कृतवाङ्गयपरिचयः Total Credits – 04)

१. वैदिकवाङ्गयपरिचयः क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
१	**वेदाः**	६. **वेदाः –** वेदशब्दस्य व्युत्पत्तिः, वेदलक्षणम्, वेदानां महत्त्वम्, वेदाध्ययनस्य प्रयोजनानि । **७. वेदानां रचनाकालः –** पारम्परिकं मतम् (वेदापौरुषेयत्वम्), आधुनिकमतानि – मेक्समूलरमहोदयस्य, बालगंगाधर-तिलकस्य, शंकरबालकृष्णदीक्षितस्य, अन्यमतानि ।
		८. **ऋग्वेदः –** ऋग्शब्दस्य व्युत्पत्तिः ऋक्स्वरूपं च, ऋग्वेदस्य शाखाः, ऋग्वेदस्य क्रमः- अष्टकक्रमः, मण्डलक्रमश्च, ऋग्वेदस्य प्रमुखसूक्तानि (इन्द्रसूक्तम्, अग्निसूक्तम्, पुरुषसूक्तम्, सञ्ज्ञानसूक्तम्, वाक्सूक्त, नासदीयसूक्तम्,

		संवादसूक्तानि च ।), ऋग्वेदस्य प्रमुखाः ऋषयः ऋषिकाश्च, ऋग्वेदस्य वैशिष्ट्यम् ।
		९. **यजुर्वेदः** -यजुश्शब्दस्य व्युत्पत्तिः यजुस्स्वरूपं च, यजुर्वेदस्य शाखाः, शुक्लयजुर्वेदस्य परिचयः, कृष्णयजुर्वेदस्य परिचयः, यजुर्वेदस्य प्रमुखसूक्तानि (शिवसंकल्पसूक्तम्, रुद्रसूक्तम्, पुरुषसूक्तम्, प्रजापतिसूक्तम्।), यजुर्वेदस्य ऋषिपरम्परा, यजुर्वेदस्य वैशिष्ट्यम् ।
		१०. **सामवेदः** – सामशब्दस्य व्युत्पत्तिः सामस्वरूपं च । सामवेदस्य शाखाः, सामवेदस्य परिचयः, सामवेदस्य ऋषिपरम्परा, सामवेदस्य वैशिष्ट्यम् ।
		११.अथर्ववेदः – अथर्वशब्दस्य व्युत्पत्तिः अथर्वस्वरूपं च । अथर्ववेदस्य शाखाः, अथर्ववेदस्य परिचयः, अथर्ववेदस्य प्रमुखसूक्तानि (पृथिवीसूक्तम्, राष्ट्राभिवर्धनसूक्तम्), अथर्ववेदस्य ऋषिपरम्परा, अथर्ववेदस्य वैशिष्ट्यम् ।
२	**वैदिकवाङ्मयम्**	१. **ब्राह्मणग्रन्थाः** • ब्राह्मणस्य लक्षणम् । • ब्राह्मणभेदाः • ऋग्वेदस्य ब्राह्मणग्रन्थाः • यजुर्वेदस्य ब्राह्मणग्रन्थाः • सामवेदस्य ब्राह्मणग्रन्थाः • अथर्ववेदस्य ब्राह्मणग्रन्थाः
		२. **आरण्यकग्रन्थाः** • आरण्यकशब्दस्य व्युत्पत्तिः लक्षणं च ।

		• ऋग्वेदस्य आरण्यकग्रन्थाः • यजुर्वेदस्य आरण्यकग्रन्थाः • सामवेदस्य आरण्यकग्रन्थाः • अथर्ववेदस्य आरण्यकग्रन्थाः
		३. उपनिषदः • उपनिषच्छब्दस्य व्युत्पत्तिः । प्रमुखाः उपनिषदः (ईश-केन-कठ-प्रश्न-मुण्डक- माण्डूक्य-तैत्तिरीय-ऐतरेय-छान्दोग्य-बृहदारण्यक-श्वेताश्वतरोपनिषदः)

२. वेदाङ्गपरिचयः क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
३	**वेदाङ्गपरिचयः (शिक्षा-कल्प-व्याकरणानि)**	**१. वेदाङ्गानि –** वेदाङ्गशब्दस्य व्युत्पत्तिः, वेदाङ्गानां संख्या (छन्दः पादौ तु ...) ।
		२. वेदाङ्गानां प्रयोजनम्
		३. शिक्षा
		४. कल्पः
		५. व्याकरणम्
४	**वेदाङ्गपरिचयः (निरुक्त-छन्द-ज्योतिषानि)**	१. निरुक्तम्
		२. छन्दः
		३. ज्योतिषम्

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष तृतीय सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०१ - संस्कृतवाङ्मयपरिचयः अध्ययनांक - ०२

(Course – 01 - संस्कृतवाङ्मयपरिचयः Total Credits – 02)

लौकिकवाङ्मयम् (३० घण्टाः)

1. उपवेदवाङ्मयम्
   - 1.1 आयुर्वेदः
   - 1.2 धनुर्वेदः
   - 1.3 गान्धर्वः
   - 1.4 अर्थशास्त्रम्

     (आयुर्वेदो धनुर्वेदो गान्धर्वश्चार्थशास्त्रकम्)
2. इतिहासवाङ्मयम्
   - 2.1 रामायणम्
   - 2.2 महाभारतम्
3. पुराणवाङ्मयम्
   - 3.1 महापुराणानि
   - 3.2 उपपुराणानि
4. शास्त्रवाङ्मयम्
   - 4.1 दर्शनम्

     4.1.1 आस्तिकदर्शनम्
       - सांख्यम्
       - योगः
       - न्यायः
       - वैशेषिकम्
       - मीमांसा
       - वेदान्तः (अद्वैत-विशिष्टाद्वैतादि)

     4.1.2 नास्तिकदर्शनम्
       - चार्वाकम्
       - बौद्धम्
       - जैनम्
   - 4.2 धर्मशास्त्रम्

4.3 नाट्यशास्त्रम्
4.4 अलंकारशास्त्रम्
5. कोषवाङ्मयम्
5.1 अमरकोषः
5.2 शब्दकल्पद्रुमः
5.3 वाचस्पत्यम्
5.4 मेदिनी
5.5 त्रिलोचनकोषः
6. चतुष्षष्टिकलावाङ्मयम्
7. काव्यवाङ्मयम्
7.1 दृश्यम्
7.1.1 रूपकाणि
7.1.2 उपरूपकाणि
7.2 गद्यम् (कथा, आख्यायिका च)
7.3 पद्यम् (महाकाव्यम्, खण्डकाव्यम्)
7.4 चम्पूः
7.5 शतकम्
7.6 स्तोत्रम्
8. सुभाषितसंग्रहवाङ्मयम्
8.1 सुभाषितरत्नभाण्डागारः
8.2 शार्ङ्गधरपद्धतिः

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष तृतीय सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०२ - संक्षेपरामायणं समासश्च अध्ययनांक - ४

(Course – 02 - उच्चारणकौशलम् Total Credits – 04)

संक्षेपरामायणम् क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
१.	**संक्षेपरामायणम्**	१. वाल्मीकेः नारदं प्रति प्रश्नः

	(१-३४ श्लोकाः)	२. नारदस्य उत्तरम् ३. रामं यौवराज्येन संयोक्तुं दशरथस्य इच्छा ४. कैकेय्या वरद्वयस्य याचनम् ५. रामस्य वनं प्रति विवासनम् ६. रामेण वनस्य गमनम् ७. लक्ष्मणेन रामस्य अनुगमनम् ८. सीतया रामस्य अनुगमनम् ९. पौरैः रामस्य अनुगमनम् १०. चित्रकूटप्राप्तिः ११. दशरथस्य प्रयाणम् १२. भरतेन राज्यस्य अस्वीकरणम्
	संक्षेपरामायणम्	क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)
२.	**संक्षेपरामायणम्** (३५-६६ श्लोकाः)	१. रामभरतयोः मेलनम् २. नन्दिग्रामे भरतेन राज्यस्य सञ्चालनम् ३. रामस्य दण्डकारण्यं प्रति प्रवेशनम् ४. विराधस्य हननम् ५. रामस्य रक्षसां वधाय प्रतिज्ञा ६. शूर्पणखायाः विरूपणम् ७. खरदूषणादीनां संहारः ८. रावणेन सीतायाः हरणम् ९. सीतायाः अन्वेषणम् १०. रामेण कबन्धस्य निहननम्

		११. रामसुग्रीवयोः मैत्री १२. रामेण सुग्रीवस्य सन्देहनिवर्तनम् ।
	संक्षेपरामायणम् क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)	
३.	**संक्षेपरामायणम्** (६६-१०० श्लोकाः)	१. रामसहितस्य सुग्रीवस्य किष्किन्धां प्रति गमनम् २. रामेण बालिनः निहननम् ३. रामेण सुग्रीवस्य किष्किन्धाराज्ये प्रतिष्ठापनम् ४. हनुमतः समुद्रलङ्घनम् ५. हनुमता सीतायाः दर्शनम् समाश्वासनञ्च ६. लङ्कादहनम् ७. हनुमता रामाय सीतावृत्तनिवेदनम् ८. सेतुनिर्माणम् ९. रामेण रावणस्य निहननम् १०.सीतायाः अग्निप्रवेशः,रामेण सीतायाः स्वीकरणञ्च ११.रामस्य अयोध्यां प्रति प्रस्थानम् १२.रामराज्यवर्णनं रामायणफलश्रुतिश्च।
	समासः क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)	
४.	**समासः**	१. समासः

		२. विग्रहः ३. समासभेदाः ४. समासार्थः ५. तत्पुरुषः • सामान्यः • कर्मधारयः • द्विगुः • नञ्प्रभृतयः ६. बहुव्रीहिः ७. द्वन्द्वः ८. अव्ययीभावः ९. पूर्वोत्तरपदयोः विशेषः १०. समासभेदविस्तरः ११. समासे प्रक्रिया

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०१ - **शास्त्रपरिचयः – दर्शनम्** अध्ययनांक - ४

(Course – 01 - **शास्त्रपरिचयः – दर्शनम्** Total Credits – 04)

२. न्याय-वैशेषिकदर्शनम्
क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)

१	न्यायदर्शनस्य परिचयः	१२. भारतीयदर्शनम् – दर्शनशब्दस्य व्युत्पत्तिः, दर्शनशास्त्रस्योद्गमः विकासः, भारतीयदर्शनस्य प्रवृत्तयः प्रयोजनं च ।
		१३. दर्शनशास्त्रस्य प्रस्थानानि, भारतीयदर्शनस्य विविधप्रस्थानानां परिचयः, आस्तिकदर्शनानां वैशिष्ट्यम्
		१४. न्यायदर्शनस्य परिचयः, न्यायदर्शनस्य आचार्यपरम्परा
		१५. न्यायदर्शनस्य प्रमाणमीमांसा
		१६. न्यायदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः
२	वैशेषिकदर्शनस्य परिचयः	४. वैशेषिकदर्शनस्य परिचयः
		५. वैशेषिकदर्शनस्य आचार्यपरम्परा
		६. पदार्थाः
		७. वैशेषिकदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः
		८. न्यायवैशेषिकदर्शनयोः समानतन्त्रता

२. साङ्ख्य-योगदर्शनम्

क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)

१	साङ्ख्यदर्शनस्य परिचयः	३. साङ्ख्यदर्शनम् – साङ्ख्यशब्दस्य व्युत्पत्तिः, साङ्ख्यशास्त्रस्योद्गमः विकासश्च ।

		४. साङ्ख्यशास्त्रस्य प्रयोजनम्
		६. साङ्ख्यदर्शनस्य आचार्यपरम्परा ग्रन्थपरम्परा च ।
		७. साङ्ख्यदर्शनस्य प्रमाणमीमांसा
		८. साङ्ख्यदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः
२	योगदर्शनस्य परिचयः	४. योगदर्शनस्य परिचयः, योगदर्शनस्य आचार्यपरम्परा ग्रन्थपरम्परा च ।
		५. समाधियोगः
		६. साधनयोगः
		७. योगदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः
		८. साङ्ख्ययोगदर्शनयोः समानतन्त्रता

शास्त्रपरिचयः – दर्शनम्

३. मीमांसा-वेदान्त-दर्शनम् क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)		
१	मीमांसादर्शनस्य परिचयः	१. मीमांसादर्शनम् – मीमांसाशब्दस्य व्युत्पत्तिः, मीमांसाशास्त्रस्योद्गमः विकासः प्रयोजनं च ।

		२. मीमांसाशास्त्रस्य प्रस्थानानि ।
		३. मीमांसादर्शनस्य आचार्यपरम्परा ग्रन्थपरम्परा च ।
		४. मीमांसादर्शनस्य प्रमाणमीमांसा
		५. मीमांसादर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः
२	वेदान्तदर्शनस्य परिचयः	६. वेदान्तदर्शनम् - वेदान्तशास्त्रस्योद्गमः विकासः प्रयोजनं च ।
		७. वेदान्तदर्शनस्य विविधप्रस्थानानि ।
		८. वेदान्तदर्शनस्य आचार्यपरम्परा ग्रन्थपरम्परा च ।
		९. प्रस्थानत्रयी – ब्रह्मसूत्रम्, उपनिषदः, श्रीमद्भगवद्गीता ।
		१०. मीमांसावेदान्तदर्शनयोः समानतन्त्रता

शास्त्रपरिचयः – दर्शनम्

४. नास्तिकदर्शनानि

क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)

१	चार्वाक-जैनदर्शनयोः परिचयः	१. नास्तिकदर्शनानि – चार्वाकशब्दस्य व्युत्पत्तिः, चार्वाकदर्शनस्य इतिहासः प्रयोजनं च ।
		२. चार्वाकदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः।
		३. जैनदर्शनस्य परिचयः । ४. जैनदर्शनस्य आचार्यपरम्परा ग्रन्थपरम्परा च ।
		५. जैनदर्शनस्य ज्ञानमीमांसा, तत्त्वमीमांसा, आचारमीमांसा च ।
		६. जैनदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः
२	बौद्धदर्शनस्य परिचयः	७. बौद्धदर्शनम् - बौद्धदर्शनस्योद्गमः विकासः प्रयोजनं च ।
		८. भगवतः बुद्धस्य परिचयः, बौद्धदर्शनस्य विविधप्रस्थानानि च ।
		९. बौद्धदर्शनस्य आचार्यपरम्परा ग्रन्थपरम्परा च ।
		१०. बौद्धदर्शनस्य प्रमुखाः सिद्धान्ताः

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०२ - **शास्त्रपरिचयः – व्याकरणम्** अध्ययनांक - ४

(Course – 02 - **शास्त्रपरिचयः – व्याकरणम्** Total Credits – 04)

३. व्याकरणशास्त्रस्य परिचयः क्रेडिट – १ (१६ घण्टाः)		
१	**व्याकरणशास्त्रस्य प्रयोजनम् इतिहासश्च**	**व्याकरणपदार्थविज्ञानम्**
		१७. व्याकरणस्य व्युत्पत्तिः
		१८.लक्ष्यलक्षणे व्याकरणम्
		१९.सूत्रं व्याकरणम्
		व्याकरणशास्त्रस्य प्रयोजनानि
		९. लौकिकप्रयोजनानि (यद्यपि बहुना..)
		१०.वैदिकप्रयोजनानि (रक्षादीनि)
		व्याकरणशास्त्रस्य परम्परा
		१. ब्रह्मसम्प्रदायः (ब्रह्मा, बृहस्पतिः, इन्द्रः, भारद्वाजः
		२. शिवः, त्रिमुनिपरिचयः
		३. व्याकरणभेदाः
		४. प्राचीनपरम्परा (काशिकादिक्रमेण अध्ययनम्)

		५. नव्यपरम्परा (कौमुदीक्रमेण अध्ययनम्)
२	**सूत्र-वार्त्तिक-भाष्यलक्षणानि, व्याकरणशास्त्रस्य प्राचीनप्रमुखग्रन्थानां परिचयश्च**	**१.** सूत्रलक्षणं सूत्रवृत्तिनिर्माणविधिश्च ।
		२. सूत्रभेदाः ।
		३. वार्त्तिकलक्षणम् ।
		४. भाष्यलक्षणम्
		५. अष्टाध्यायी ।
		६. महाभाष्यम् ।
		७. काशिका ।
	व्याकरणशास्त्रस्य नव्यप्रमुखग्रन्थानां परिचयः	१. लघुसिद्धान्तकौमुदी ।
		२. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी ।
		३. प्रौढमनोरमा ।
		४. लघुशब्देन्दुशेखरः ।
		५. वाक्यपदीयम् ।
		६. वैयाकरणभूषणसारः ।
		७. परमलघुमञ्जूषा ।

२. प्रक्रियाबोधः

क्रेडिट – १ (१५ घण्टाः)

१	**संज्ञापरिचयः**	५. माहेश्वरसूत्राणि
		६. इत्सञ्ज्ञा ७. लोपः
		८. प्रत्याहाराः
		९. उच्चारणस्थानानि
		१०. आभ्यन्तर-बाह्ययत्नविवेकः
		११. वर्णभेदः (ह्रस्वादिभेदाः)
		१२. सञ्ज्ञासूत्राणि (सवर्णसञ्ज्ञा, पदसञ्ज्ञा, संयोगसञ्ज्ञा, संहितासञ्ज्ञा, सवर्णग्राहकसञ्ज्ञा)
२	**स्त्रीप्रत्ययाः**	९. पुंस्त्वादिलिङ्गलक्षणम् ।
		१०. टाप्-प्रत्ययः ।
		११. डाप्-प्रत्ययः ।
		१२. चाप्-प्रत्ययः ।
		१३. ङीप्-प्रत्ययः ।
		१४. ङीष्-प्रत्ययः ।
		१५. ङीन्-प्रत्ययः ।
		१६. ति-प्रत्ययः ।
३	**सुप्-प्रत्यायानां तिङ्-प्रत्ययानां च परिचयः**	१. प्रातिपदिकपरिचयः

		२. प्रातिपदिकाधिकारपरिचयः
		३. सुप्-प्रत्ययाः
		४. सुपाम् एकवचनादिसञ्ज्ञाः
		५. सुपाम् प्रथमादिसञ्ज्ञाः
		६. सुप्-प्रत्ययानाम् अर्थाः
		७. धातुपरिचयः (सकर्मक-अकर्मकभेदसहितः)
		८. धात्वधिकारपरिचयः
		९. तिङ्-प्रत्ययाः
		१०. आत्मनेपद-परस्मैपद-परिचयः
		११. तिङाम् प्रथमपुरुषादिसञ्ज्ञाः
		१२. तिङाम् एकवचनादिसञ्ज्ञाः
		१३. तिङ्-प्रत्ययानाम् अर्थाः
	कृत्-तद्धित-प्रत्ययानां परिचयः	१. कृत्य-प्रत्ययस्य स्वरूपम्
		२. तव्य-तव्यत्-अनीयर्-यत्-क्यप्-ण्यत्-प्रत्ययानां परिचयः ।
		३. कृत्-प्रत्ययस्य स्वरूपम्
		४. ण्वुल्-तृच्-क-क्त-क्तवतु-क्त्वा-तुमुन्- प्रत्ययानां परिचयः ।
		५. तद्धितप्रत्ययपरिचयः
		६. गोत्रलक्षणम्
		७. युवलक्षणम्

		८. अपत्यार्थक-अण्-प्रत्ययपरिचयः
		९. अपत्यार्थक-इञ्-प्रत्ययपरिचयः
		१०. शैषिक-अण्-प्रत्ययपरिचयः
		११. शैषिक-छ-प्रत्ययपरिचयः
		१२. मतुप्-प्रत्ययपरिचयः
		१३. इनि-प्रत्ययपरिचयः

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०२ - **शास्त्रपरिचयः – साहित्यम्** अध्ययनांक - ४

(Course – 02 - **शास्त्रपरिचयः – साहित्यम्** Total Credits – 04)

शास्त्रपरिचयः- साहित्यम्

क्रेडिट-1 (15 घण्टाः)

1. साहित्यस्य प्रयोजनम्
   - व्युत्पत्तिः
     - ✓ सम्, धा, क्त, ष्यञ् (समो वा हिततयोः)
     - ✓ सह, धा, क्त, ष्यञ् (सहस्य सः)
   - साहित्यशब्दस्यार्थः
     - ✓ वाङ्मयम्
     - ✓ काव्यम् (सर्गबन्धादिरूपम्, मुकुलभट्टस्य श्रीहर्षस्य च मते)
     - ✓ शब्दार्थयोः परस्परस्पर्धा (कुन्तकमते)
     - ✓ शब्दार्थयोः संबन्धः (भामह-भोजराजमते)
   - साहित्यस्य प्रकाराः
     - ✓ श्रव्यम्
     - ✓ दृश्यम्
     - ✓ शास्त्रम्
   - साहित्यस्य प्रयोजनम्
2. श्रव्यस्य उद्भवो विकासश्च
   (वेदे उषःसूक्तादौ सक्तुमिव तितउनेत्यादौ च)

- उद्भवः
    - ✓ गद्यस्य
    - ✓ पद्यस्य
    - ✓ चम्वाः
- विकासः
- ✓ गद्यस्य (वासदत्ता, कादम्बरी,हर्षचरितम्, दशकुमारचरितम्, अवन्तीसुन्दरीकथा, शिवराजविजयम्) कविपरिचयेन सह।
- ✓ पद्यस्य (रामायणम्, महाभारतम्, लघुत्रयी, वृहत्नयी) कविपरिचयेन सह।
- ✓ चम्वाः (नलचम्पूः, चम्पूरामायणम्, सुलोचनामाधवचम्पूः कविपरिचयेन सह)।

3. दृश्यस्य उद्भवो विकासश्च
    - उद्भवः (यम-यमीसंवादादौ)
    - विकासः (स्वप्नवासवदत्तम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मृच्छकटिकम्, उत्तररामचरितम्, मुद्राराक्षसम्, कविपरिचयेन सह)
4. शास्त्रस्य (अलंकारशास्त्रस्य) उद्भवो विकासश्च
    - उद्भवः (वेदे)
    - नामकरणम्
    - विकासः
        - ✓ काव्यालंकारः (भामहः)
        - ✓ काव्यालंकारसारः (उद्भटः)
        - ✓ काव्यादर्शः (दण्डी)
        - ✓ काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः (वामनः)
        - ✓ ध्वन्यालोकः (आनन्दवर्धनः)
        - ✓ वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तकः)
        - ✓ व्यक्तिविवेकः (कुन्तकः)
        - ✓ काव्यप्रकाशः (मम्मटः)
        - ✓ साहित्यदर्पणः (विश्वनाथः)
        - ✓ रसगङ्गाधरः (जगन्नाथः)
        - ✓ काव्यालंकारकारिका (रेवाप्रसादद्विवेदी)
        - ✓ अभिराजयशोभूषणम् (अभिराजराजेन्द्रमिश्रः)
        - ✓ अभिनवकाव्यालंकारसूत्रम् (राधवल्लभत्रिपाठी) (एतेषामतिसंक्षिप्तः परचयः)
5. शास्त्रस्य (अलंकारशास्त्रस्य) प्रस्थानानि
    - रसः
    - अलंकारः

- रीतिः
- ध्वनिः
- वक्रोक्तिः
- औचित्यम्
- अनुमितिः (श्रीशङ्कुकः, महिमभट्टः)

6. काव्यस्य प्रयोजन-लक्षण-कारण-प्रकाराः
(शास्त्रदृशा)
    - प्रयोजनम्
    - लक्षणम्
    - कारणम्
    - प्रकाराः (ध्वनिः, गुणीभूतव्यङ्ग्यम्, चित्रम्)
7. शब्दार्थशक्तयः
    - वाचकः,वाच्यः, अभिधा
    - वाक्यम्, वाक्यार्थः,तात्पर्यम्
    - लाक्षणिकः, लक्ष्यः, लक्षणा
    - व्यञ्जकः, व्यङ्ग्यः, व्यञ्जना
8. गुणाः
    - लक्षणम्
        - ✓ भरतसम्मतम्
        - ✓ वामनसम्मतम्
        - ✓ दण्डिसम्मतम्
        - ✓ मम्मटसम्मतम्
        - ✓ जगन्नाथसम्मतम्
    - भेदाः
        - ✓ दश
        - ✓ विंशतिः
        - ✓ त्रयः
    - त्रयाणां गुणानां लक्षणम्
        - ✓ माधुर्यस्य
        - ✓ ओजसः
        - ✓ प्रसादस्य
9. रसः
    - लक्षणम्
        - ✓ रससूत्रम्

- ✓ विभावः
- ✓ अनुभावः
- ✓ व्यभिचारी भावः
- ✓ स्थायी भावः
- ✓ स्थायी भावो रसः

- रसस्य नव भेदाः (शृङ्गारादयः सोदाहरणा अनुष्टुभि))

10. अलंकारः

- लक्षणम् (वामन-दण्डि-मम्मटमतेन)
- गुणाद् अलंकारस्य भेदः
- भेदः
  - ✓ शब्दालंकारः (सभेदं परिचयसामान्यम् एकमुदाहरणं च)
  - ✓ अर्थालंकारः(सभेदं परिचयसामान्यम् एकमुदाहरणं च)

11. दोषः

  - लक्षणम्
  - भरतसम्मतम्
  - मम्मटसम्मतम्
  - भेदः (एकैकोदाहरणसहितः साहित्यदर्पणानुसारेण)
    - ✓ पदगतः
    - ✓ पदांशगतः
    - ✓ वाक्यगतः
    - ✓ अर्थगतः
    - ✓ रसगतः

12. नाट्यशास्त्रीयाः प्रमुखाः प्रमेयाः

- नाट्य-लक्षणम्
- रूपकसंज्ञा
- दश रूपकाणि (समासेन प्रत्येकं सोदाहरणं साहित्यदर्पणानुसारेण निरूपणीयम्)
- अष्टाद+श उपरूपकाणि (समासेन प्रत्येकं सोदाहरणं निरूपणीयम्)
- अभिनयः
- नान्दी
- प्रस्तावना
- पताकास्थानकम्
- अर्थप्रकृतिः
- अवस्थाः सन्धिः

- अर्थोपक्षेपकाः

13. नायको नायिका च

- नायकः
    - ✓ लक्षणम्
    - ✓ प्रकाराः
    - ✓ नायकगुणाः (शोभादयः)
- नायिका
    - ✓ लक्षणम्
    - ✓ प्रकाराः
    - ✓ नायिकालंकाराः

14. छन्दसः परिचयः

- व्युत्पत्तिः (चदि-च्छदिधातुभ्याम्)
- अर्थः
- उद्भवः
- विकासः
- गुरुलघुव्यस्था
- गणव्यवस्था
- यतिव्यवस्था
- भेदः

15. प्रमुखाणि छन्दांसि

    - ✓ आर्या
    - ✓ श्लोकः (अनुष्टुप्)
    - ✓ इन्द्रवज्रा
    - ✓ उपेन्द्रवज्रा
    - ✓ वंशस्थम्
    - ✓ उपजातिः
    - ✓ मालिनी
    - ✓ शिखरिणी
    - ✓ शार्दूलविक्रीडितम्
    - ✓ स्रग्धरा

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०३ - शास्त्रपरिचयः – तर्कसोपानम् अध्ययनांक - ४

(Course – 03 - शास्त्रपरिचयः – तर्कसोपानम् Total Credits – 04)

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०४ - शास्त्रपरिचयः – धर्मशास्त्रम् अध्ययनांक - १

(Course – 04 - शास्त्रपरिचयः – धर्मशास्त्रम् Total Credits – 01)

धर्मशास्त्रस्य परिचयः

क्रेडिट – १ (१५ – घण्टाः)

१. धर्मस्वरूपम् -

१.१ धर्मशब्दस्य व्युत्पत्तिः,

१.२ धर्मलक्षणम्,

१.३ धर्मस्य भेदाः,

२. धर्मे प्रमाणानि -

२.१ श्रुतिः (विधिः, अर्थवादः, मन्त्रः, नामधेयम्)

२.२ स्मृतिः,

२.३ सदाचारः

२.४ दशकं धर्मलक्षणम्

२.४.१ धृतिः,

२.४.२ क्षमा,

२.४.३ दमः,

२.४.४ अस्तेयम्,

२.४.५ शौचम्,

२.४.६ इन्द्रियनिग्रहः,

२.४.७ धीः,

२.४.८ विद्या,

२.४.९ सत्यम्,

२.४.१० अक्रोधः,

धर्मशास्त्रस्य परिचयः -

३.१ धर्मशास्त्रस्य परिभाषा,

३.२ धर्मशास्त्रस्य प्रयोजनम्,

३.३ धर्मशास्त्रस्य वैशिष्ट्यम्,

३. धर्मशास्त्रस्य वर्गीकरणम्-

४.१ सूत्रम् ,

४.२ स्मृतिः,

४.३ निबन्धः,

४. सूत्रग्रन्थानां परिचयः-

५.१ धर्मसूत्राणि

५.१.१ गौतमधर्मसूत्रम्

५.१.२ आपस्तम्बधर्मसूत्रम्

५.२ गृह्यसूत्राणि

५.२.१ पारस्करगृह्यसूत्रम्

५.२.२ आपस्तम्बगृह्यसूत्रम्

ख - खण्डः

स्मृतिशास्त्रस्य परिचयः

१. स्मृतिग्रन्थानां परिचयः -

१.१ मनुस्मृतिः,

१.२ याज्ञवल्क्यस्मृतिः,

१.३ नारदस्मृतिः,

२. निबन्धग्रन्थानां परिचयः -

२.१ भगवन्तभास्करः,

२.२ निर्णयसिन्धुः,

२.३ धर्मसिन्धुः,

३. स्मृतिशास्त्रस्य प्रतिपाद्यविषयाः -

३.१ आचारः,

३.२ व्यवहारः,

३.३ प्रायश्चित्तम्,

४. आश्रमाणां परिचयः-

४.१ ब्रह्मचर्याश्रमः

४.२ गृहस्थाश्रमः

४.३ वानप्रस्थाश्रमः

४.४ सन्यासाश्रमः

५. प्राचीनन्यायव्यवस्थायाः वैशिष्ट्यम्

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष चतुर्थ सत्रार्द्ध

पाठ्यांश – ०४ - शास्त्रपरिचयः – पुराणेतिहासः अध्ययनांक - १

(Course – 04 - शास्त्रपरिचयः – पुराणेतिहासः Total Credits – 01)

पुराणेतिहासयोः परिचयः (१६ घण्टाः)

1. पुराणम्
    - 1.1 पुराणशब्दस्य व्युत्पत्तिः।
    - 1.2 पुराणस्य उत्पत्तिः।
    - 1.3 पुराणस्य लक्षणम् (पञ्चलक्षणानि, दशलक्षणानि च)
    - 1.4 पुराणस्य भेदाः।
        - 1.4.1 महापुराणानि।
        - 1.4.2 उपपुराणानि

1.5 पुराणस्य प्रयोजनम्।

2. इतिहासः
    - 2.1 इतिहासशब्दस्य व्युत्पत्तिः।
    - 2.2 इतिहासस्य उत्पत्तिः।

2.3 इतिहासस्य लक्षणम्।
2.4 इतिहासस्य भेदा:। (राजशेखर:)
2.5 इतिहासस्य प्रयोजनम्।
2.6 इतिहासस्य उदाहरणम्।
2.6.1 रामायणम्।
2.6.2 महाभारतम्।

3. पुराणस्य प्रतिपाद्यविषया:
3.1 सर्ग:
3.2 विसर्ग:
3.3 वृत्ति:
3.4 रक्षा
3.5 मन्वन्तरम्
3.6 वंश:
3.7 वंशानुचरितम्
3.8 संस्था:
3.9 हेतु:
3.10 अपाश्रय:
3.11 भूगोलम्
3.12 खगोलम्

4. सामान्येन इतिहासस्य प्रतिपाद्यविषया:

5. अवतारतत्त्वानि
5.1 अवतारस्य प्रयोजनम्।
5.2 अवतारस्य बीजम्।
5.3 मत्स्यावतार:।
5.4 कूर्मावतार:।
5.5 वराह-अवतार:।
5.6 नरसिंहावतार:।
5.7 वामनावतार:।
5.8 परशुरामावतार:।
5.9 रामावतार:।
5.10 कृष्णावतार:।
5.11 बुद्धावतार:।
5.12 कल्की-अवतार:।

- **अध्यापन प्रक्रिया**

  कक्षा अध्यापन

  क्रीडा

  परियोजना कार्य

  प्रशिक्षुता

  अन्य गतिविधियाँ – व्यक्तित्वविकास आदि

- **मूल्यांकन प्रक्रिया**

  परीक्षा पद्धति

  प्रश्नपत्र का प्रारूप

  आन्तरिक मूल्यांकन

  क्रीडा/ कौशल मूल्यांकन

  परियोजना कार्य मूल्यांकन

  प्रशिक्षुता कार्य मूल्यांकन

  अन्य गतिविधियों – व्यक्तित्वविकास आदि का मूल्यांकन

  - **व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम**
  - **अध्यापकों के लिए मार्गनिर्देश**
  - **अन्य सूचना**